प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में लेखा विभाग के कार्मिकों हेतु प्रशिक्षण प्रारम्भ

पंतनगर। 12 जून 2023। विश्वविद्यालय में लेखा विभाग के कार्मिकों हेतु दस–दिवसीय (12 से 22 जून 2023) तक प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का आयोजन कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय के सभागार में किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान, मुख्य अतिथि के साथ कुलसचिव डा. दीपा विनय ; नियंत्रक डा. पंकज कुमार शुक्ला एवं अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन डा. आर.एस. जादौन मंचासीन थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि यह दस–दिवसीय प्रशिक्षण लेखा कार्मिकों को उनके कार्य के निष्पादन में लाभदायक सिद्ध होगा। उन्होंने लेखा कार्मिकों को अनुशासित होकर ईमानदारी तथा सकारात्मक सोच के साथ लेखा संबंधित कार्यों को निष्पादित करने हेतु सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान को आगे बढ़ाने में लेखा अनुभाग का बहुत योगदान होता है। पत्रावलियों के त्वरित निष्पादन पर बल देते हुए अकारण तीन दिन से अधिक पत्रावली को किसी काउंटर पर न रोके जाने हेतु भी सुझाव दिया गया। उन्होंने कहा कि शोध कार्यो को सुदृढ़ता प्रदान करना विश्वविद्यालय का सर्वोपरि कार्य है अतः वैज्ञानिकों द्वारा वांछित सामग्री हेतु प्रेषित पत्रावलियों के स्वीकृति में विलम्ब नहीं होना चाहिए। डा. दीपा विनय ने अपने उद्बोधन में बताया कि विश्वविद्यालय के विकास हेतु हम सभी को मिल कर कार्य करने की आवश्यकता है।

नियंत्रक डा. पंकज कुमार शुक्ला ने बताया कि अगर हम किसी भी संस्थान से जुड़कर कार्य करते है तो वहां अपनी पहचान स्वयं ही बन जाती है। दक्षता प्राप्त करने हेतु निरंतर रूप से प्रशिक्षण में भागदारी अत्यंत आवश्यक है। बदलती हुयी परिस्थितियों में लेखा के नवीन तकनीकों के विषय में जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है। उन्होंने भी सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने हेतु कार्मिको का आह्वान किया और इस दस–दिवसीय प्रशिक्षण में ध्यान केन्द्रित कर प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु सुझाव दिया जिससे कि लेखा संबंधित कार्यों के संपादन में महसूस की जाने वाली समस्याओं का समाधान हो सके।

डा. आर.एस. जादौन ने बताया कि लेखा कार्यो में सरकार द्वारा बहुत से बदलाव किये जाते रहते है। लेखा कर्मी इस प्रशिक्षण में अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिये गये प्रशिक्षण का भरपूर लाभ उठाकर विश्वविद्यालय में लेखा संबंधित कार्यों का सुचारू रूप से निष्पादन कर सकते है। उप नियंत्रक डा. जे.सी. बडोला ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूप–रेखा बतायी। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण दो चरणों में आयोजित किया जा रहा है। नियंत्रक, उप नियंत्रक के साथ ही श्री आर.के. पाण्डेय (मुख्य प्रशिक्षक) द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। कार्यक्रम के अंत में डा. जे.सी. बडोला द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में लेखा कार्मिकों को संबोधित करते कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।